

प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण-पत्र परीक्षा

सत्र - 2021-22

विषय - संस्कृत

कक्षा - 8

समय - 2 घण्टे 30 मिनट

पूर्णांक - 80 अंक

निर्देश :-

- | | | | | | |
|---|--------------------|--------------|--------------|---------------|---------------|
| <ol style="list-style-type: none"> 1. प्रश्न पत्र में कुल 25 प्रश्न हैं। 2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं। <p>खण्ड - अ</p> | अंक भार - 1 | | | | |
| <p>प्र.1. गुहा केन प्रतिध्वनिता ? 1</p> <table border="0"> <tbody> <tr> <td style="vertical-align: top;">अ. सिहैने</td> <td style="vertical-align: top;">ब. शूंगालने</td> </tr> <tr> <td style="vertical-align: top;">स. गजेन</td> <td style="vertical-align: top;">द. मानवेन</td> </tr> </tbody> </table> | | अ. सिहैने | ब. शूंगालने | स. गजेन | द. मानवेन |
| अ. सिहैने | ब. शूंगालने | | | | |
| स. गजेन | द. मानवेन | | | | |
| <p>प्र.2. प्राचीनकाले ज्ञानस्य आदान-प्रदानं की -शम आसीत् ? 1</p> <table border="0"> <tbody> <tr> <td style="vertical-align: top;">अ. मौखिकम्</td> <td style="vertical-align: top;">ब. लिखितम्</td> </tr> <tr> <td style="vertical-align: top;">स. डिजिटलम्</td> <td style="vertical-align: top;">द. सांकेतिकम्</td> </tr> </tbody> </table> | | अ. मौखिकम् | ब. लिखितम् | स. डिजिटलम् | द. सांकेतिकम् |
| अ. मौखिकम् | ब. लिखितम् | | | | |
| स. डिजिटलम् | द. सांकेतिकम् | | | | |
| <p>प्र.3. निजनिकेतनम् कुत्र अस्ति ? 1</p> <table border="0"> <tbody> <tr> <td style="vertical-align: top;">अ. गिरिशिखरे</td> <td style="vertical-align: top;">ब. समुद्रतटे</td> </tr> <tr> <td style="vertical-align: top;">स. नगरमध्ये</td> <td style="vertical-align: top;">द. वनभागे</td> </tr> </tbody> </table> | | अ. गिरिशिखरे | ब. समुद्रतटे | स. नगरमध्ये | द. वनभागे |
| अ. गिरिशिखरे | ब. समुद्रतटे | | | | |
| स. नगरमध्ये | द. वनभागे | | | | |
| <p>प्र.4. बदरी-गुल्मानां पृष्ठे निलीना का आसीत् ? 1</p> <table border="0"> <tbody> <tr> <td style="vertical-align: top;">अ. नदी</td> <td style="vertical-align: top;">ब. लोमशिका</td> </tr> <tr> <td style="vertical-align: top;">स. शृंगाली</td> <td style="vertical-align: top;">द. व्याघ्री</td> </tr> </tbody> </table> | | अ. नदी | ब. लोमशिका | स. शृंगाली | द. व्याघ्री |
| अ. नदी | ब. लोमशिका | | | | |
| स. शृंगाली | द. व्याघ्री | | | | |
| <p>प्र.5. 'त्वया सन्मार्गः प्रदर्शितः भगिनी ।' अत्र सर्वनामपदं किम् ? 1</p> <table border="0"> <tbody> <tr> <td style="vertical-align: top;">अ. त्वया</td> <td style="vertical-align: top;">ब. भगिनी</td> </tr> <tr> <td style="vertical-align: top;">स. प्रदर्शितः</td> <td style="vertical-align: top;">द. सन्मार्गः</td> </tr> </tbody> </table> | | अ. त्वया | ब. भगिनी | स. प्रदर्शितः | द. सन्मार्गः |
| अ. त्वया | ब. भगिनी | | | | |
| स. प्रदर्शितः | द. सन्मार्गः | | | | |
| <p>प्र.6. 'समस्ते संसारे निवासामि ।' अत्र कर्तृपदं किम् ? 1</p> <table border="0"> <tbody> <tr> <td style="vertical-align: top;">अ. अहम्</td> <td style="vertical-align: top;">ब. आवाम्</td> </tr> <tr> <td style="vertical-align: top;">स. वयम्</td> <td style="vertical-align: top;">द. त्वम्</td> </tr> </tbody> </table> | | अ. अहम् | ब. आवाम् | स. वयम् | द. त्वम् |
| अ. अहम् | ब. आवाम् | | | | |
| स. वयम् | द. त्वम् | | | | |
| <p>प्र.7. 'नमः एता-श्येभ्यः शिल्पिभ्यः' अत्र नमः भोगे रेखांकितेपदे का विभक्तिः प्रयुक्ता : ? 1</p> <table border="0"> <tbody> <tr> <td style="vertical-align: top;">अ. तृतीया</td> <td style="vertical-align: top;">ब. चतुर्थी</td> </tr> <tr> <td style="vertical-align: top;">स. पंचमी</td> <td style="vertical-align: top;">द. षष्ठि</td> </tr> </tbody> </table> | | अ. तृतीया | ब. चतुर्थी | स. पंचमी | द. षष्ठि |
| अ. तृतीया | ब. चतुर्थी | | | | |
| स. पंचमी | द. षष्ठि | | | | |

प्र.8. 'कौतुहलं मे खुल शान्तिं न गच्छति: ' अत्यत्र अव्ययपदं किम् ?	1
अ. खलु	ब. गच्छति
स. शांतिं	द. मे
प्र.9. तदभवपदानां कृते संस्कृतपदानि लिखत :	2
अ. सात	ब. आज
प्र.10. संधिविच्छेदं कुरुत -	2
अ. समुद्रमसाद्य	ब. सर्वमेव
प्र.11. उचितापदानि चित्वा रित्त स्थानानि पूरयत-	2
(1) सिंह एकां महतीं.....दृष्टवान । (गुहां-गृहम्)	
(2)अस्मिन बिले सिंह, अस्ति । (नूनम्-सदा)	
प्र.12. विभक्ति कारकं च लिखत ।	2
(1) रोचते	(2) वृक्षात्
प्र.13. अधोलिखितानां पदानां विपरीतार्थक पदानि लिखत-	2
1. प्राचीनः	2. अधिकः
प्र.14. संख्यावाची शब्दं संस्कृत भाषायां लिखत	2
1. पचपन बालिका ।	2. छः ऋतु
प्र.15. विशेषण विशेष्य मेलनं कुरुत -	4
विशेषण पदानि	विशेष्य पदानि
मौखिकम्	उपकारः
मनोगताः	सामग्री
टंकिता ।	भावाः
महान्	ज्ञानम्
प्र.16. अधोलिखितेन पदेन लघु वाक्य निर्माणं कुरुत-	5
1. नमः	2. विश्रामगृहम्
3. परितः	4. आवश्यकता
प्र.17. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एक पदेन लिखित-	5
1. स्वकीयं साधनं किं भवति ?	
2. पथिके विषमाः प्रखराः ?	
3. सततं कीं करणीयम् ?	

4.	सः कीदूशः कविः मन्यते ?	
5.	निज निकेतनं कुत्र अस्ति ?	
प्र.18.	रेखांकित पदानि अधिकृत्य प्रश्न निर्माणः कुरुत-	5
1.	इयम् महाराष्ट्रस्य प्रथमा कन्या पाठशाला अस्ति ।	
2.	एका शिक्षिका गृहात् पुस्तकानि आदाय चलति ।	
3.	मार्गे तस्याः उपरि कश्चित् प्रस्तरखण्डान् क्षिपति ।	
4.	परं सा स्वदूदनिश्चयात् न बिचलति ।	
5.	सः स्त्रीशिक्षायाः प्रबलः समर्थकः आसीत् ।	
प्र.19.	अपनी पाठ्य पुस्तक में से कोई दो श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न पत्र में आए हों ।	6
प्र.20.	'गृहम् शून्यं सुतां बिना' अथवा 'संसारसागरस्य नायकाः' पाठसारं हिन्दी भाषा लिखत ।	6
प्र.21.	मंजुषात पदानि चित्वा वाक्यानि लिखत-	6
	(असावधानतया, वाहन चालनेन, यातायात नियमानाम्, चलदूरभाषयंत्रेण, तीव्र गत्या प्रवेश-निषेधमार्ग, दुर्घटना)	
प्र.22.	अधोलिखित श्लोकस्य हिन्दी भाषायां भावार्थं लिखत-	6
	सर्वं परवशं दुःखं सर्वमात्मवशं सुखम् । एतद्विधात्समासेन लक्षणं सुखदुःख्योः ॥	
	अथवा	
	तयोर्निर्त्यं प्रियं कुर्यादाचार्यस्य च सर्वदा । तेऽवेव त्रिषु तुष्टेषु तपः सर्वं समाप्यते ॥	
प्र.23.	तव पितुः स्थानांतरणं जातः । स्थानांतरणं पत्रम् प्राप्तुम् तव प्रधानाध्यापक ।	6
	प्रार्थनापत्रं संस्कृते लेखनीयम् ।	
प्र.24.	निबंध लेखनम् कुरुत-	6
	भारत देशः	
	अथवा	
	सङ्क सुरक्षा	
प्र.25.	मंजुषायामं लिखितानां शब्दानां सहायेन कथां लिखित-	6
	(अलसा, बिजानि, रुचिः, कृषकः, पुत्राः, सुसुप्तः, मरणानन्तरे क्षेत्रान्)	